>

Title: Need to ban cow slaughter in the country.

श्री चंद्रकांत खैरे (औरंगाबाद): महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से विनती करता हूँ कि गोहत्या बंदी का यह विषय बहुत वर्षों से चालू है। 7 नवंबर 1966 में एक बहुत बड़ा आंदोलन दिल्ली में हुआ था। कई साधु-संत उसमें मारे गए थे और कई साधु-संत उसमें पकड़े गए थे और बहुत बड़ा एक आंदोलन यहाँ हुआ था। देश भर में गोहत्या बंद हो, इस विषय पर सभी साधु-संत और हिन्दू धर्म के लोगों का यह विचार है कि गौ की रक्षा होनी चाहिए। मैं कहूँगा कि गौ की रक्षा इसलिए होनी चाहिए क्योंकि गौमाता के गोबर को हम लोग खेती में खाद के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। गाय का दूध छोटे बच्चों के लिए बहुत अच्छा होता है, उससे कैंसर और दूसरी बीमारियाँ नहीं होतीं। इसलिए गाय का महत्व बहुत ज्यादा है। हिन्दू धर्म में लोग गाय को 33 करोड़ देवताओं के समान मानते हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहूँगा कि गौ की रक्षा करें, गौ वंश की रक्षा करें और गाय के गोबर के उपयोग पर ध्यान दें। मैं आपके माध्यम से फिर सरकार से कहूँगा कि गौ की रक्षा करेंगे तो साइंस भी कहता है कि कई बीमारियाँ इससे दूर होती हैं। इसलिए गौ की रक्षा के लिए गोहत्या बंद करें और गाय के गोबर के निर्माण पर विशेष ध्यान दें।

सभापति महोदय : श्री शरीफुद्दीन शारिक।

श्री शरीफुद्दीन शारिक (बारामुला): चेयरमैन साहब, मुझे यहाँ से दो मिनट बोलने की इजाज़त दे दें।

MR. CHAIRMAN: Please go back to your seats.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I will allow your Leader to speak.

...(*Interruptions*)